प्रकाशितवाक्य 2

Published by the Comic Bible Society, LLC
Copyright © 2021

Kingstone Comics maintains copyright to this comic book as provided by United States copyright law.

Print and digital copies of this version may be freely distributed without penalty under a Creative Commons license.

"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."

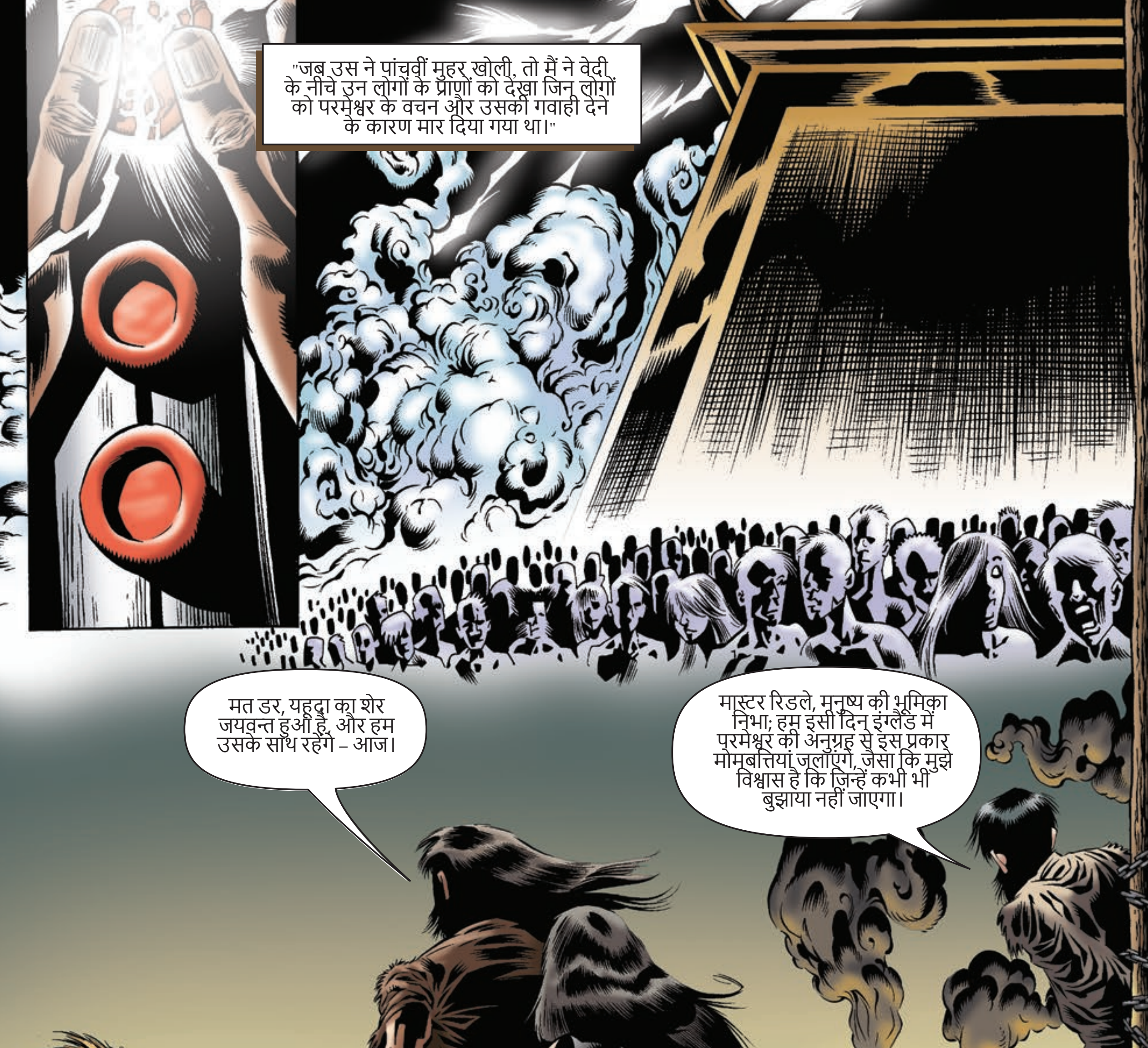

[1] पांचवीं मुहर संतों की प्रार्थनाओं की सामर्थ्य और शक्ति का वर्णन करती है क्योंकि वे परमेश्वर से बदले की मांग करते हैं।

अल्लाह अकबर! सिर्फ ईश्वर महान है। इस शहर में किसी भी मसीही को रहने की अनुमति नहीं होगी।
कब तक, हे सर्वश्रेष्ठ प्रभु, पवित्र और सत्य, कब तक तू पृथ्वी के निवासियों का न्याय नहीं करेगा और हमारे खून का बदला नहीं लेगा? [1]
जब तक तुम्हारे मारे जानेवाले भाइयों की गिनती पूरी न हो जाए, तब तक तुम को थोड़ी देर और ठहरना चाहिए।
प्रकाशितवाक्य 6:9-11

[१] पृथ्वी की चट्टानें एक साथ टूटने लगी, जिससे पृथ्वी पर ऐसा भूकंप हुआ जैसा पहले कभी अनुभव नहीं किया गया था।

[२] यह सभवतःभूकंप के होनेवाले ज्वालामुखी विस्फोटो से पृथ्वी के वायुमंडल में भारी मात्रा में राख और मलबे के उड़ने के कारण हो सकता है। पुराने नियम में भी यह भविष्यवाणी की गई थी (योएल २:७१)।

[७] यह संभवतःएक बड़े उल्का पिण्ड या उपग्रह की बौछार हो सकती है जो पृथ्वी से टकराती है।

[४] पृथ्वी के रहनेवाले इन घटनाओं के पीछे के मूल कारणों को समझने लगेंगे।

[५] छठी मुहर उस समय से शुरू होती है जिस समय के लिए भविष्यवक्ताओं ने "प्रभु का दिन" कहा था। पहली पांच मुहरें मनुष्यों के कार्यों के परिणाम हैं, लेकिन इस समय परमेश्वर सीधे हस्तक्षेप शुरू करता है।

"सूर्य बकरे के बालों से बने हुए टाट के समान काला हो गया, और सारा चन्द्रमा लहू के समान लाल हो गया, [২] और तारे पृथ्वी पर गिर पड़े, [৩] जैसे बहुत तेज आँधी के चलने से अंजीर के पेड़ में से कच्चे ही फल गिर जाते हैं।৮
"आकाश पत्र के समान सरक गया, और सब पहाड़ और टापू अपने स्थान से हट गए।"
"पृथ्वी पर के सभी - राजा, राजकुमार, सेनापति, धनी, सामर्थी, और हर एक दास और हर एक स्वतंत्र व्यक्ति गुफाओं में और पहाड़ों की चट्टानों के बीच में जा छिपे।"

फिर मैं ने चार स्वर्गदूतों को पृथ्वी के चारों कोनों पर खड़े देखा। वे पृथ्वी की चारों हवाओं को रोके हुए थे, कि पृथ्वी पर या समुद्र पर किसी प्रकार की हवा न चल सके।
"फिर मैंने एक और स्वर्गदूत को पूर्व दिशा की ओर से आते देखा, जिसके पास जीवते परमेश्वर की मुहर थी।"
जब तक हम परमेश्वर की मुहर उसके दासों के माथे पर न लगा दें, तब तक पृथ्वी, समुद्र या वृक्षों को हानि न पहुंचाना।
"परमेश्वर ने बारह गोत्रों में से १२,००० को चुना और प्रत्येक पर मुहर लगाई जो इस समय के दौरान उसकी सेवा करेंगे।"[१]
[१] ये यहूदियों में से पहले हैं जिन्हें इस लिए छुड़ाया गया कि अंतिम रूप में जब इस्राएल राष्ट्रों के सामने गवाह हो जिसे परमेश्वर ने पुराने नियम में कहा था।
ये १,४४,००० यहूदी सुसंचार प्रचारकों का एक विशाल मिशनरी समूह होंगे जिनकी परमेश्वर रक्षा करेगा क्योंकि वह उनका प्रयोग यहूदियों और अन्यजातियों दोनों को दुनिया भर में सुसमाचार प्रचार सुनाने के लिए करेगा।

"इसके बाद मैं ने दृष्टि की, और मेरे साम्हने एक बहुत बड़ी भीड़ थी, जिसकी गिनती नहीं की जा सकती थी।"
‘वे पृथ्वी पर के प्रत्येक राष्ट्र, कुल, लोग और भाषा में से थे। [१] वे अब सिंहासन के साम्हने और मेम्ने के साम्हने खड़े थे।'
उद्धार के लिए हमारे परमेश्वर का जो सिंहासन पर विराजमान है, और मेम्ने का जय-जयकार हो।
[१] हालांकि यह समय अभूतपूर्व न्याय का समय होगा, यह अभूतपूर्व छुटकारे का समय भी होगा, जिसमें बहुत से लोग इस क्लेश काल के दौरान विश्वास में आएंगे।
प्रकाशितवाक्य ७:९-१०

आमीन!

प्रकाशितवाक्य 7:11-12

श्वेत वस्त्र पहिने हुए ये लोग कौन हैं, और कहां से आए हैं?
हे स्वामी, तू ही जानता है।
ये वे हैं जो महाक्लेश में से बाहर निकलकर आये हैं। [1] उन्होंने अपने वस्त्रों को मेम्ने के लोहू में धोकर श्वेत किया है। [2]
इसलिए, वे दिन-रात उसकी सेवा करते रहते हैं ... जो सिंहासन पर विराजमान है वह अपनी उपस्थिति में उन्हें शरण देगा।
"वे फिर कभी भूखे नहीं होंगे... न प्यासे होंगे... न धूप और न ही झुलसाने वाली तपन से पीड़ित होंगे।"
"और परमेश्वर उनकी आंखों में से सारे आंसू पोंछ डालेगा।"
[1] सात साल के महाक्लेश काल के दौरान बहुत से लोग बचाए जाएंगे, बहुत से लोग शहीद होंगे और स्वर्ग में प्रवेश करेंगे।
[2] उनके वस्त्र श्वेत हैं - मसीह ने उन्हें उनके पाप से शुद्ध किया है।

"जब उसने सातवीं मुहर खोली, तो स्वर्ग में लगभग आधे घंटे तक सन्नाटा रहा।" [१]
"मैं ने सात स्वर्गदूतों को देखा जो परमेश्वर के साम्हने खड़े थे, और उन्हें सात तुरहियां दी गईं।"
"एक स्वर्गदूत को परमेश्वर के लोगों की प्रार्थनाओं के साथ बहुत सुगन्धित धूप दी गई कि पूर्ण रूप से परमेश्वर के सामने चढ़ाये।"
"इसके बाद स्वर्गदूत ने वेदी पर से आग उठाई और उसे पृथ्वी पर डाल दिया - और गर्जन के साथ गड़गड़ाहट, और गड़गड़ाहट के साथ बिजलियाँ चमकने लगीं और भूईडोल ।"
"उसके बाद जिन सात स्वर्गदूतों के पास सात तुरहियां थीं, वे उन्हें फूंकने के लिए तैयार हुए।"
[१] यह सन्नाटा उस भय और प्रत्याशा के कारण है जो उन न्यायदंडों की दिल दहला देनेवाली सच्चाई से आती है जिसे परमेश्वर पृथ्वी पर लानेवाला है।

"ज़ब पहिले स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी, तब ओले और लोहू सहित आग पृथ्वी पड़ डाले गये।"
[1] यह भूकंप से ज्वालामुखी विस्फोट हो सकता है। इन विस्फोटों से निकलने वाली भांप और पानी तेज चमकते हुए लावे के साथ ओलों में संघन हो सकते है। साथ में दूषित तरल पदार्थ और गैसें लहू की तरह लाल दिखाई दे सकती हैं।

"आग इतनी भीषण थी कि पृथ्वी का एक तिहाई हिस्सा आग में जल गया।"[1]
"पृथ्वी पर एक तिहाई हरी घास और एक तिहाई पेड़ भी जल गये।"
प्रकाशितवाक्य 8:7

परमेश्वर के सिंहासन पर से एक और विपत्ति की आज्ञा दी गयी।
"जब दूसरे स्वर्गदूत ने तुरही बजाई, तो एक बड़े पहाड़ के समान कुछ ऐसा प्रतीत हुआ, जिसमें आग लगी हुई थी, जो समुद्र में डाल दिया गया।"[१]
यह एक विशाल उल्का पिण्ड या उपग्रह हो सकता है जो पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही प्रज्वलित हो जायेगा।
[२] यह उल्का के द्वारा हो सकता है, या लाल रंग के ज्वार-भाटा से हो सकता है जहाँ मृत सूक्ष्मजीव पानी को जरीला करते हैं - या लहू भी हो सकता है - ईश्वरीय न्याय का एक स्पष्ट रूप से स्पष्ट कार्य।
[३] संभावना से बड़ा उल्का पिण्ड समान रूप से एक बहुत बड़े ज्वार-भाटा की लहर बनाता है जो पृथ्वी के जहाजों के एक तिहाई हिस्से को नष्ट कर देता है।

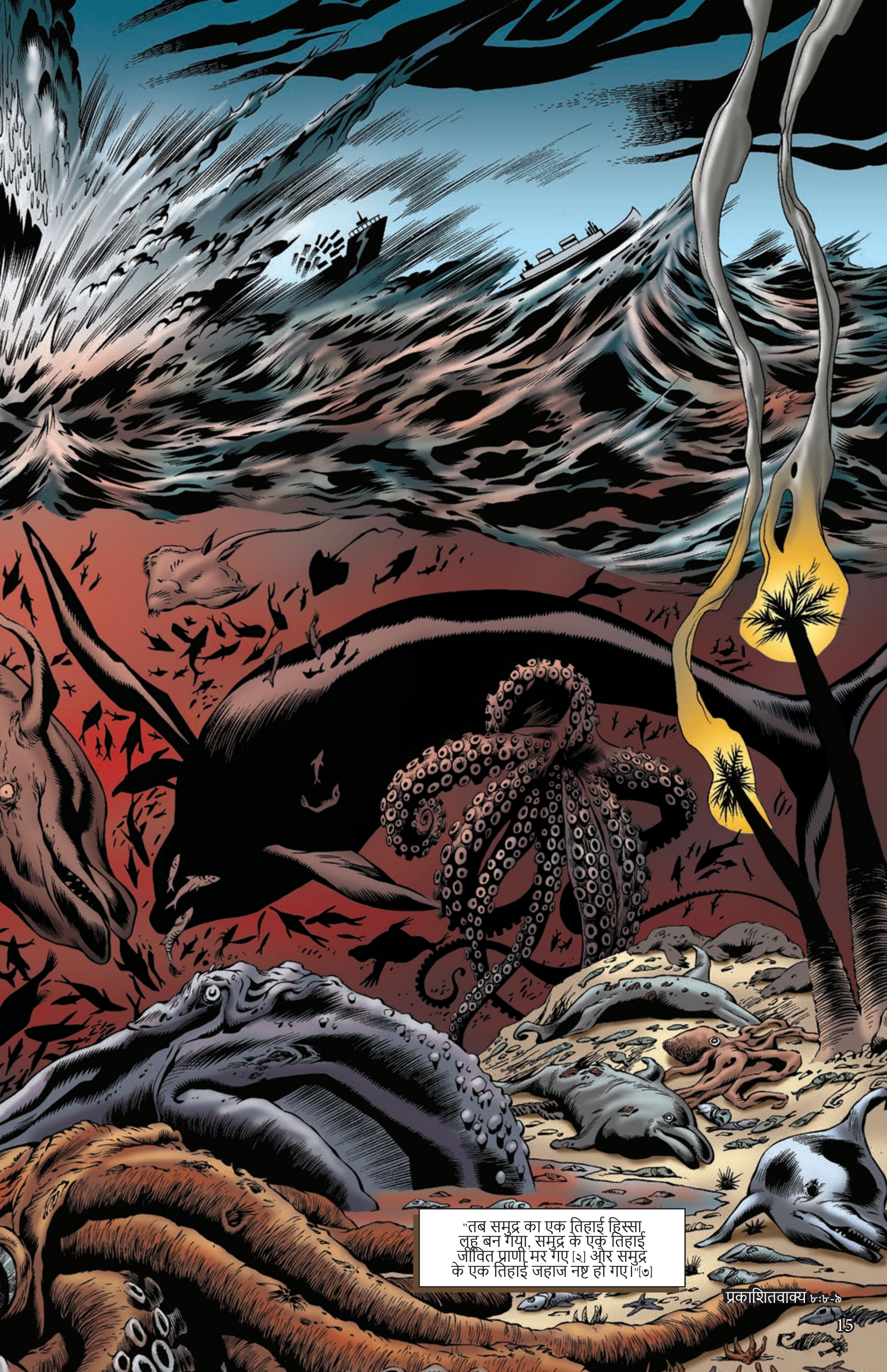
"तब समुद्र का एक तिहाई हिस्सा लहू बन गया, समुद्र के एक तिहाई जीवित प्राणी मर गए [२] और समुद्र के एक तिहाई जहाज नष्ट हो गए।"[७]
प्रकाशितवाक्य ८:८-९

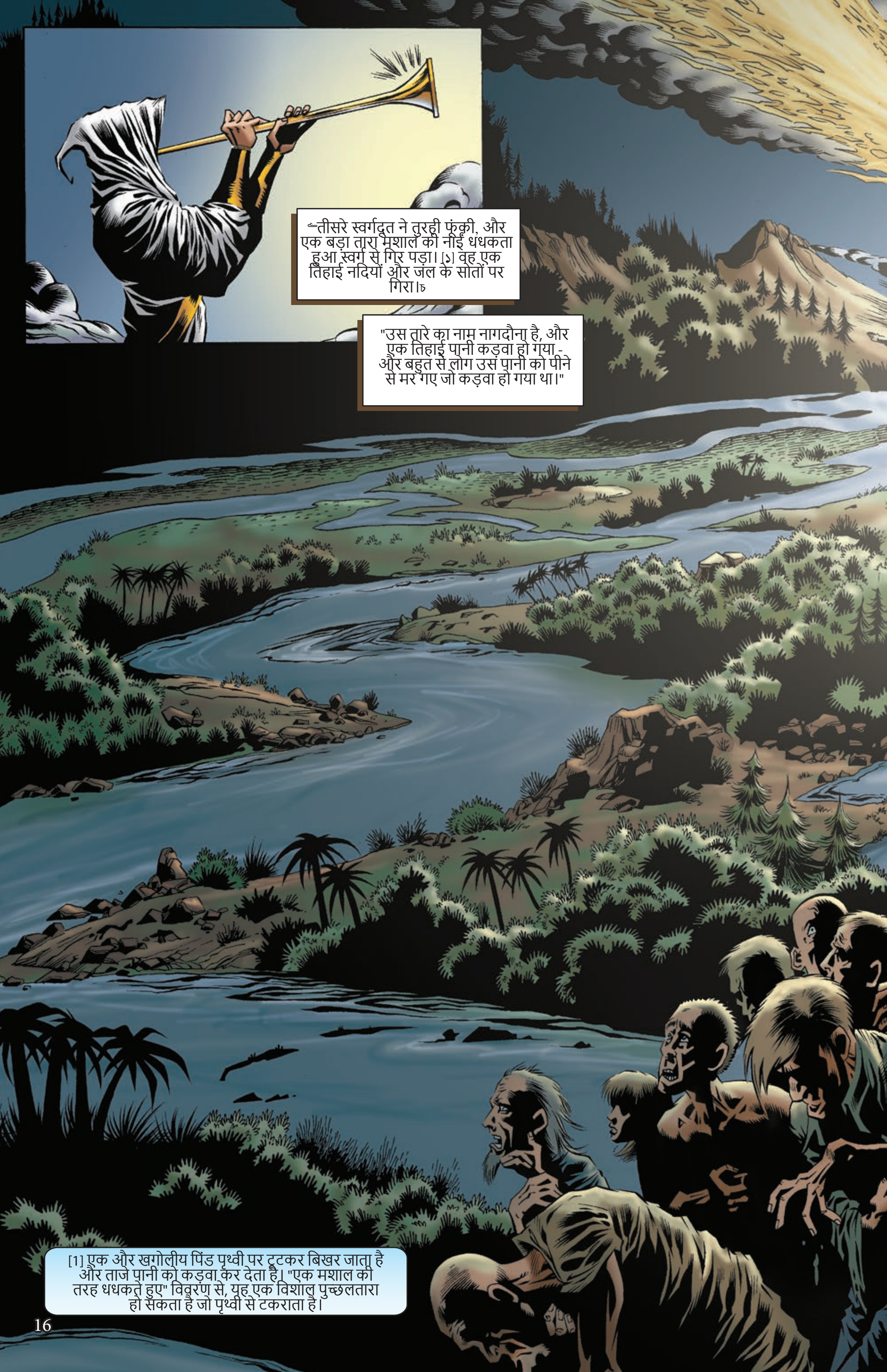

ᓚतीसरे स्वर्गदूत ने तुरही फूंकी, और एक बड़ा तारा मशाल की नाईं धधकता हुआ स्वर्ग से गिर पड़ा। [१] वह एक तिहाई नदियों और जल के सोतों पर गिरा।ᓚ
"उस तारे का नाम नागदौना है, और एक तिहाई पानी कड़वा हो गया - और बहुत से लोग उस पानी को पीने से मर गए जो कड़वा हो गया था।"
[1] एक और खगोलीय पिंड पृथ्वी पर टूटकर बिखर जाता है और ताजे पानी को कड़वा कर देता है। "एक मशाल की तरह धधकते हुए" विवरण से, यह एक विशाल पुच्छलतारा हो सकता है जो पृथ्वी से टकराता है।

"चौथे स्वर्गदूत के तुरही फूंकते ही एक तिहाई सूर्य, साथ ही एक तिहाई चन्द्रमा और एक तिहाई तारे इस प्रकार से टकराए कि उनका एक तिहाई हिस्सा अन्धेरा हो गया।"
[१] बहुत से धर्मशास्त्रियों का मानना है कि एक तिहाई आकाशीय पिंडों का एक तिहाई अंधकारमय हो जाना, शैतान के साथ स्वर्ग से गिराए जानेवाली दुष्टात्माओं का प्रतिबिंब है।

दिन का एक तिहाई हिस्सा उजाले के बिना था और उसी प्रकार रात का एक तिहाई भी।
हाय! हाय! धिक्कार है पृथ्वी के निवासियों पर, क्योंकि अन्य तीन स्वर्गदूतों के द्वारा तुरहियाँ फूंकी जानेवाली थीं!
प्रकाशितवाक्य ८:१२-१३

अगली तुरही के साथ ही, नरक खोला जायेगा और राक्षसी टिड्डियां सम्पूर्ण पृथ्वी पर फ़ैल जाएंगी। लेकिन परमेश्वर के पास अभी भी मुख्य नियंत्रण है।
"लोगों को जो पीड़ा हुई वह बिच्छुओं के डंक मारने की तरह थी जिस तरह से वह एक व्यक्ति को डंक मारता है।"
"इस समय के दौरान लोगमृत्यु को ढूंढेंगे, लेकिन उसे नहीं पाएंगे..."[२]
[१] आमतौर पर टिड्डियों की आयुसीमा लगभग पांच महीने की होती है और इन राक्षसी टिड्डियों की समय सीमा भी समान है।
[२] मृत्यु की पीड़ा को ख़त्म करने की कोशिश में, लोग आत्महत्या करनें की अपनी कोशिशों में असफल रहेंगे।

घास या पौधों या पेड़ों को नुकसान न पहुंचाना। तुम सिर्फ उन्हीं को नुकसान पहुंचाना जिनके माथे पर परमेश्वर की मुहर नहीं है।
तुम्हें उन्हें मारना नहीं है, तुम्हें उन्हें सिर्फ पांच महीने के समय तक कष्ट पहुंचाना है। [१]
कोई तो मुझे बचा लो - यह दर्द बहुत पीड़ादायक है!
मुझे मर जाने दो - मुझे मर जाने दो!
प्रकाशितवाक्य ९:१-६

"टिड्डियां युद्ध के लिए तैयार घोड़ों की तरह थीं... उनके मुंह मनुष्यों के मुंह की तरह थे... उनके दांत शेरों के दांतों की तरह थे..."
"उनके पंखों का शब्द ऐसा था मानो बहुत से घोड़े युद्ध में दौड़ रहे हों।"
"अथाह कुण्ड का दूत अबद्दोन उनका राजा था।" [१]
[१] जिस प्रकार स्वर्गदूतों का एक समूह व पद होता है, उसी प्रकार दुष्टात्माओं का भी एक समूह व पड़ होता है। अथाह कुण्ड का यह दूत शैतान के मुख्य सरदारों में से एक है, शायद स्वयं शैतान भी।

"यह पहला संकट है... दो संकट अभी और आने बाकी हैं।"
प्रकाशितवाक्य ९:१-१२

[१] फरात नदी उन चार नदियों में से एक थी जो अदन की वाटिका में से होकर बहती थीं। बेबीलोन से शुरू होकर, इस क्षेत्र ने दुनिया के बहुत से मूर्तिपूजक धर्मों को जन्म दिया है।
आम तौर पर वेदी एक ऐसी जगह थी जहाँ परमेश्वर दया के लिए अपने लोगों की प्रार्थनाओं का जवाब देते थे - परन्तु अब वेदी प्रतिशोध की दोहाई देकर उत्तर देगी।

"वे चार स्वर्गदूत जो उस घड़ी, दिन, महीने और वर्ष के लिए तैयार किए गए थे, एक तिहाई मानवजाति को मारने के लिए छोड़े गए।"
उन चार स्वर्गदूतों को छोड़ दो जो फ़रात महानद पर बंधे हैं। [1]
प्रकाशितवाक्य 9:13-16

"मुझे घुड़सवार सैनिकों की संख्या के बारे में बताया गया: यह बीस करोड़ थी।" [1]
मेरी माँ ने मुझे बाइबल पढ़ने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की थी - यह कहने के लिए कि ऐसा होगा। मैंने क्यों नहीं सुना! यह मेरी कल्पना से भी बहुत अधिक बुरा है।
परमेश्वर मुझ पर दया कर - एक पापी कहेगा।
एक तिहाई मनुष्यजाति उनके मुंह से निकलने वाली आग, धुएं और गंधक की तीन विपत्तियों से मर गई थी।
[1] एक राक्षसी सेना को छोड़ा जायेगा और बची हुई मनुष्यजाति के एक तिहाई को मार डाला जायेगा।

"जो लोग इन विपत्तियों से नहीं मरे थे, और जिन्होंने फिर भी अपने हाथों के काम से मन नहीं फिराया था।"
"और जो दुष्टात्माओं और सोने, चांदी, कांस्य, पत्थर और लकड़ी की मूर्तियों की पूजा करते रहे - ऐसी मूर्तियाँ जो देख या सुन या चल नहीं सकती।"
"और जिन्होंने अपने द्वारा की गयी हत्याओं, अपनी जादुई कलाओं से मन नहीं फिराया..."
"...और अपने यौन पापों से या अपनी चोरियों से।"
GIRL
GIRL
GIRL
GIRLS
LIVE
XXX
प्रकाशितवाक्य ९:१६-२१

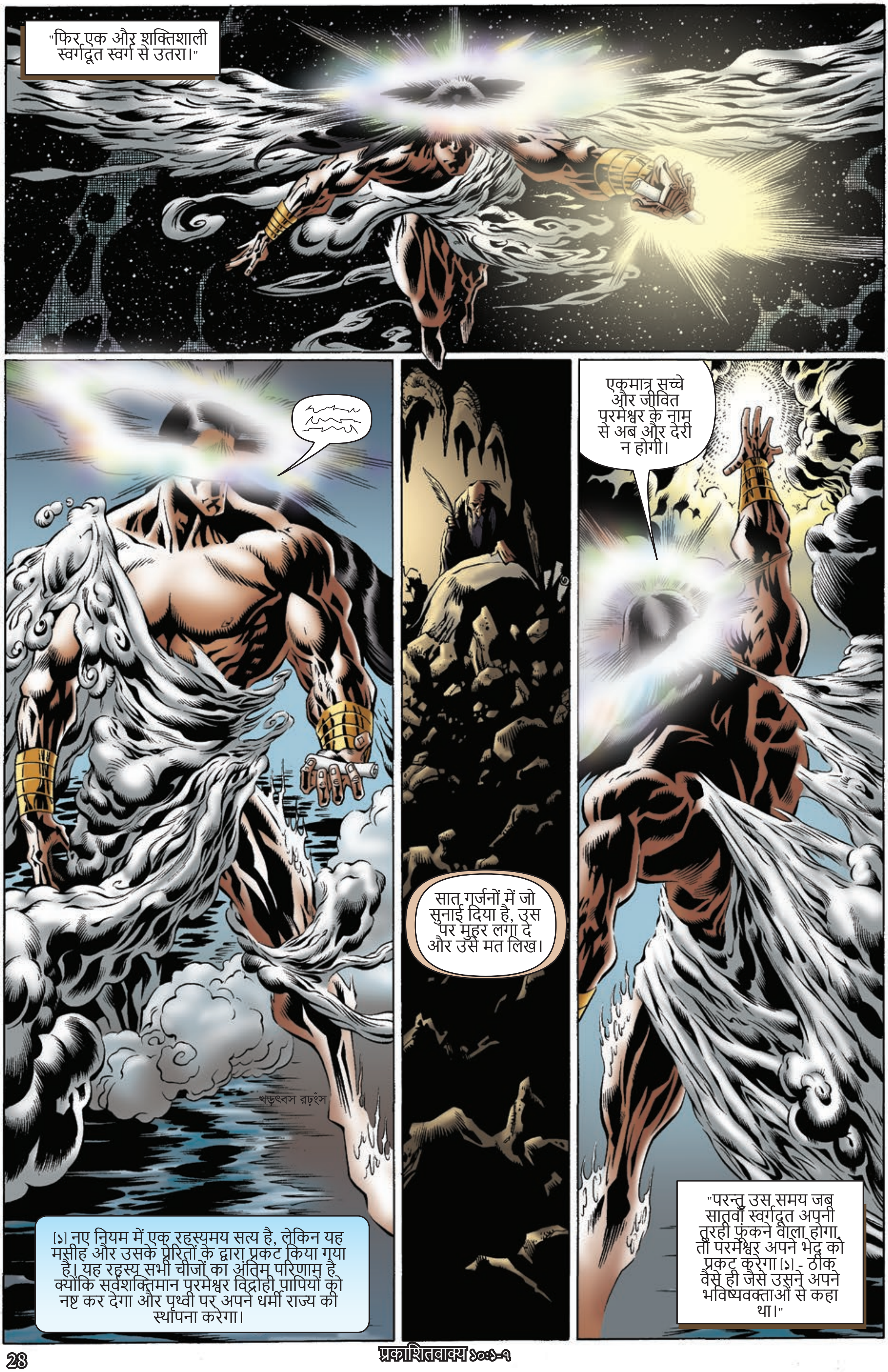
"फिर एक और शक्तिशाली स्वर्गदूत स्वर्ग से उतरा।"
एकमात्र सच्चे और जीवित परमेश्वर के नाम से अब और देरी न होगी।
सात गर्जनों में जो सुनाई दिया है, उस पर मुहर लगा दे और उसे मत लिख।
"परन्तु उस समय जब सातवाँ स्वर्गदूत अपनी तुरही फूंकने वाला होगा, तो परमेश्वर अपने भेद को प्रकट करेगा [१] - ठीक वैसे ही जैसे उसने अपने भविष्यवक्ताओं से कहा था।"
[१] नए नियम में एक रहस्यमय सत्य है, लेकिन यह मसीह और उसके प्रेरितों के द्वारा प्रकट किया गया है। यह रहस्य सभी चीजों का अंतिम परिणाम है क्योंकि सर्वशक्तिमान परमेश्वर विद्रोही पापियों को नष्ट कर देगा और पृथ्वी पर अपने धर्मी राज्य की स्थापना करेगा।

प्रकाशितवाक्य १०:८-११

प्रकाशितवाक्य ११:१-७

प्रकाशितवाक्य ११:४-७

SUPERBIBLE.TV